महीना	परिमाण (टनों में)
जून १९५७	२३,९२०
जुलाई १९५७	१३,६४७
अगस्त १९५७	१६,८६६
सितम्बर, १९५७	१३,०५८
अक्तूबर १९५७	११,६०६
नवम्बर १९५७	२०,२९१

(ख) हैसियन क्लाथ तथा रुई पैक करने के काम ग्राने वाले टाट का मुख्य रूप से निर्यात होता है ।

(ग) तथा (घ). जी, हां । मिलों में बनने वाला सब से बढ़िया पटसन का माल ग्रमेरिका को निर्यात किया जाता है जहा उसे विशेष कामों में प्रयोग किया जाता है ।

मशीनी खिलौने

१८१८. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इस देश में बनने वाले मशीनी खिलौनो के मूल्यो को घटाने के लिये कोई कार्यवाही कर रही है ; ग्रौर

(ख) ये खिलौने विदेशी खिलौनों की तुलना मे कितने महंगे पड़ते हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) छोटे पैमाने पर खिलौने बनाने वालों को जो प्राविधिक सहायता दी जा रही है, उसकी वजह से खिलौनों की किस्म में सुधार होगा ग्रौर उनकी उत्पादन लागत भी कम हो जाने की ग्राशा है ।

(ख) देश में बनने वाले खिलौने विदेशी खिलौनों से महंगे नही पड़ते ।

साइकिल के कारखाने

१८१९. श्री वाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में साइकिल के कारखानों में इस समय कितने विदेशी विशेषज्ञ काम कर रहे है ;

(ख) सरकार ग्रौर निर्माता-गण ने भारतीयों की इस काम में प्रशिक्षित करने के लिये क्या उपाय किये हैं ;

(ग) साइकिल उद्योग के विकास के संबंध में कितने विदेशी विषेषज्ञ भारत ग्रा चुके हैं ;

(घ) क्या ग्रब भी कोई विशेषज्ञ भारत में काम कर रहा है ; ग्रौर

(ङ) यदि हां, तो वह किस कारखाने में क्या काम कर रहा है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ग). ११ विशेषज्ञ ।

(ख) ग्राम तौर पर निर्माताग्रों द्वारा विदेशों से भरती करके बुलाये गये टैकनीशियन इस शर्त पर भारत ग्राते हैं कि वे उपर्युक्त भारतीय टैकनीशियनों को प्रशिक्षित करेंगे जिससे वे धीरे धीरे उनका स्थान ले सकें ।

(घ) तथा (ङ). नीचे निर्माताग्रों द्वारा भरती किये गये ११ टैकनीशियन निम्न साइकिल कारखानों में काम कर रहे हैं :—

कारखाने का नाम	विशेषज्ञों की संख्या	उनके काम
(१) मैसर्स टी० आई० साईकल आफ इंडिया लि० मद्रास	४	१ वर्क्स डायरेक्टर १ असिस्टैन्ट वर्क्स डायरेक्टर २ उत्पादन इंजीनियर
(२) मैसर्स सैन रैले इंडस्ट्रीज आफ इंडिया, लि०, कलकत्ता	४	१ वर्क्स मैनेजर १ असिस्टैन्ट वर्क्स मैनेजर २ उत्पादन मैनेजर
(३) मैसर्स हिन्दुस्तान व्हीक्ल्स लि०, कलकत्ता ।	१	चीफ इंजीनियर
(४) मैसर्स हिन्द साइकल्स लि०, बम्बई	१	वर्क्स मैनेजर
(५) मैसर्स एटलस साइकल इंडस्ट्रीज सोनीपत ।	१	उत्पादन इंजीनियर

अन्तर्दाह इंजन और शक्ति-चालित पम्प

१८२०. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्तर्दाह इंजन और शक्ति-चालित पम्प बनाने वाले उद्योगों को वित्तीय सहायता देने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ; और

(ख) चालू वित्तीय वर्ष में इन उद्योगों को कितनी वित्तीय सहायता दी गई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ख) सरकार ने इन उद्योगों को कोई विशेष वित्तीय सहायता देने का विचार नहीं किया है ।

काठ के खिलौनों का उद्योग

१८२१. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में काठ के खिलौने बनाने के उद्योग कहां-कहां पर चल रहे हैं ;

(ख) इस उद्योग द्वारा प्रति वर्ष कितने मूल्य के खिलौने तैयार किये जाते हैं ;

(ग) क्या काठ के खिलौने का निर्यात भी किया जाता है ; और

(घ) यदि हां, तो प्रति वर्ष कितने मूल्य के खिलौनों का निर्यात किया जाता है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) काठ के खिलौने बनाने का उद्योग जिन महत्वपूर्ण स्थानों में चल रहा है, उन के नाम सभा के पटल पर रखे गये विवरण में दिये गये हैं । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या ७६]

(ख) देश में बनने वाले काठ के खिलौनों के ठीक ठीक मूल्य के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । देश में मशीनी खिलौनों के अलावा बनने वाले अन्य विभिन्न प्रकार के खिलौनों के उत्पादन का मूल्य अनुमानतः २० लाख रु० प्रति वर्ष है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) जनवरी १९५७ से पहले काठ के खिलौनों के निर्यात के आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते थे इस लिए काठ के खिलौनों के आंकड़े अलग से उपलब्ध नहीं हैं । जनवरी से जून १९५७ तक की अवधी में विभिन्न देशों से १९,००० रु०, के काठ के खिलौने निर्यात किये गये ।